कार्य विवरण
मुख्य प्रौद्योगिकी अधिकारी (सीटीओ)

- **संगठन**: भारतीय गुणवत्ता परिषद् (क्यूसीआई)
- **स्थान**: नई दिल्ली, भारत
- **रिपोर्टिंग**: महासचिव, क्यूसीआई
- **पद की प्रकृति :** वरिष्ठ प्रफेशनल
- **नियुक्ति की अवधि –** संविदा पर आरंभ में 2 वर्ष के लिए (कार्य निष्पादन के आधार पर इसका नवीकरण किया जा सकता है)

क्यूसीआई के बारे में

भारतीय गुणवत्ता परिषद् (क्यूसीआई) भारत का राष्ट्रीय प्रत्यायन निकाय है। प्रत्येक पिनकोड तक गुणवत्ता की अवधारणा को पहुंचाने के उद्देश्य से प्रेरित क्यूसीआई, राष्ट्रीय परीक्षण और अंशशोधन प्रयोगशाला प्रत्यायन बोर्ड, राष्ट्रीय अस्पताल और स्वास्थ्यचर्या-प्रदाता प्रत्यायन बोर्ड, राष्ट्रीय शिक्षा और प्रशिक्षण प्रत्यायन बोर्ड, राष्ट्रीय गुणवत्ता संवर्धन बोर्ड और राष्ट्रीय प्रमाणन निकाय प्रत्यायन बोर्ड जैसे घटक बोर्डों तथा परियोजना नियोजन और कार्यान्वयन प्रभाग, परियोजना विश्लेषण और प्रलेखन प्रभाग, राष्ट्रीय उद्योग उत्कृष्टता प्रभाग तथा रणनीति और नीति प्रभाग जैसे प्रभागों के माध्यम से अपना कार्य संचालन करती है।

भारत अब डिजिटल अर्थव्यवस्था की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है, इसे देखते हुए क्यूसीआई पारंपरिक प्रमाणन मॉडल से निकलकर डिजिटल ट्रस्ट इंफ्रास्ट्रक्चर की ओर जाने की प्रक्रिया में है। मुख्य प्रौद्योगिकी अधिकारी, उच्च-प्रभाव वाली राष्ट्रीय पहलों का नेतृत्व करेगा और यह सुनिश्चित करेगा कि गुणवत्ता की पहुंच जमीनी स्तर तक हो तथा इसके माध्यम से क्यूसीआई के सभी हितधारकों और व्यापक तौर पर आम जनता के लिए ठोस, स्पष्ट बदलाव लाए जा सकें।

पद का संक्षिप्त विवरण

क्यूसीआई का मुख्य प्रौद्योगिकी अधिकारी (सीटीओ) एक वरिष्ठ कार्यकारी प्रमुख के रूप में काम करेगा और क्यूसीआई की प्रौद्योगिकी संकल्पना को आकार देने, उसे शासित और निष्पादित करने के लिए जिम्मेदार होगा। इस भूमिका के लिए असाधारण हितधारक प्रबंधन, व्यावसायिक समझ और विविध व्यावसायिक जरूरतों को एकीकृत, प्रौद्योगिकी-सक्षम परिणामों में बदलने की क्षमता अपेक्षित है।

सीटीओ, क्यूसीआई के सभी बोर्डों और प्रभागों में कार्यरत आईटी टीम का नेतृत्व करेगा, प्रौद्योगिकी पहलों का तालमेल सरकार और हितधारकों के साथ बैठाएगा तथा किफायती, सुरक्षित और उच्च-गुणवत्ता युक्त सेवा डिलीवरी सुनिश्चित करने के लिए बाहरी विक्रेताओं से ली जाने वाली सेवाओं पर निगरानी रखेगा। इस भूमिका में सफलता के लिए ईमानदारी, पारदर्शिता और स्पष्ट सलाह देने का साहस जैसे **अनिवार्य गुण** होने चाहिए।

मुख्य जिम्मेदारियां

1. **प्रौद्योगिकी नेतृत्व**
   - **क**. भिन्न-भिन्न कार्यों में विशेषज्ञता के साथ अच्छा प्रदर्शन करने वाली प्रौद्योगिकी/आईटी प्रकोष्ठ टीम का नेतृत्व करना, मार्गदर्शन करना और विकास करना।
   - **ख**. क्यूसीआई के राष्ट्रीय गुणवत्ता मिशन के अनुरूप एक दीर्घकालिक, उद्यम-व्यापी प्रौद्योगिकी रूपरेखा का विकास और कार्यान्वयन।
   - **ग**. क्यूसीआई के प्रधान प्रौद्योगिकी सलाहकार के रूप में कार्य करना।
   - **घ**. क्यूसीआई के प्रत्यायन, आकलन और निगरानी कार्यक्रमों में अनुप्रयोग के लिए उभरती प्रौद्योगिकियों (एआई, उन्नत एनालिटिक्स, ब्लॉकचेन, डिजिटल प्लेटफॉर्म) का मूल्यांकन करना।

2 **<u>हितधारक जुड़ाव और सहकार्य</u>**

क. क्यूसीआई नेतृत्व के लिए एक रणनीतिक भागीदार के रूप में कार्य करना, साझा प्लेटफार्मों और सेवाओं को बढ़ावा देते हुए उनकी विशिष्ट जरूरतों को समझना।

ख. राष्ट्रीय नीति की प्राथमिकताओं के साथ तालमेल सुनिश्चित करने के लिए वरिष्ठ सरकारी हितधारकों के साथ संवाद-संपर्क करना।

ग. क्यूसीआई की डिजिटल पेशकशों को प्रासंगिक और प्रभावी बनाए रखने की दृष्टि से उद्योग संघों के साथ सहकार करना।

घ. निर्णयकर्ताओं की सुविधा के लिए जटिल तकनीकी मुद्दों को व्यावसायिक समाधानों में बदलना।

3. **<u>विक्रेता प्रबंधन और वाणिज्यिक अभिशासन</u>**

क. प्रापण, विक्रेता चयन, अनुबंध समझौता-वार्ता, एसएलए प्रवर्तन और कार्य-निष्पादन समीक्षाओं का नेतृत्व करना।

ख. जवाबदेही, पारदर्शिता और मापनीय मूल्यवान सेवा डिलीवरी सुनिश्चित करते हुए आउटसोर्स्ड प्रौद्योगिकी विकास, आईटी सेवाओं के लिए एक मजबूत अभिशासन फ्रेमवर्क स्थापित करना।

ग. संगत प्रौद्योगिकी और प्लेटफॉर्म कंपनियों के साथ दीर्घकालिक भागीदारियां स्थापित करना।

घ. वित्तीय समझदारी, लागत अनुकूलन और सटीक पूर्वानुमान पर ध्यान केन्द्रित करते हुए प्रौद्योगिकी बजट पर निगरानी रखना।

4. **<u>अभिशासन, जोखिम और अनुपालन</u>**

क. साइबर सुरक्षा, डेटा अभिशासन, आपदा रिकवरी और राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुपालन के साथ-साथ उद्यम-व्यापी आईटी अभिशासन नीतियों का निर्माण करना और उन्हें संस्थागत स्वरूप प्रदान करना।

ख. क्यूसीआई के पूरे इकोसिस्टम में प्रौद्योगिकी जोखिमों की पहचान करना और उनका शमन करना।

ग. सभी बोर्डों और प्रभागों में डेटा अखंडता, गोपनीयता और सिस्टम विश्वसनीयता की सुरक्षा करना।

5. **<u>प्रचालन संबंधी चौकसी</u>**

क. स्केलेबिलिटी, सुरक्षा और अपटाइम सुनिश्चित करने के लिए आउटसोर्स्ड आईटी अवसंरचना और सेवाओं की चौकसी रखना।

ख. आईटी सेवा डिलीवरी और विक्रेता जवाबदेही के लिए निरंतर सुधार परिपाटियों का कार्यान्वयन।

ग. क्यूसीआई के आंतरिक गुणवत्ता सिद्धांतों के साथ आईटी सेवाओं का तालमेल सुनिश्चित करना।

उम्मीदवार प्रोफ़ाइल

1. **<u>योग्यता और अनुभव</u>**

क. इंजीनियरी, आईटी या संबंधित विषयक्षेत्र में स्नातक उपाधि।

ख. न्यूनतम 5 से 15 वर्ष का प्रगामी सूचना प्रौद्योगिकी अनुभव – यह अनुभव उत्पाद, प्रौद्योगिकी, प्लेटफॉर्म नेतृत्व भूमिकाओं में विशाल पैमाने पर डिजिटल उत्पादों और डेटा-लैड प्रणालियों के संचालन का होना चाहिए।

ग. बड़े पैमाने पर आईटी वातावरण और उद्यम एप्लिकेशन के प्रबंधन में सिद्ध सफलता।

घ. प्रापण, एसएलए प्रबंधन और अनुबंध समझौता-वार्ता सहित प्रबंधन में अच्छा अनुभव।

ङ. आईटी बजट आयोजना, वित्तीय अभिशासन, आरओआई-संचालित प्राथमिकता निर्धारण, और प्रौद्योगिकी निवेश के लिए बोर्ड/नेतृत्व-स्तरीय व्यावसायिक औचित्य का अच्छा अनुभव।

च. राज्य या राष्ट्रीय स्तर पर सरकारी एजेंसियों के साथ/के लिए आईटी परियोजनाओं की डिलीवरी के अनुभव को प्राथमिकता।

2. **<u>नेतृत्व क्षमताएं और व्यक्तिगत गुण</u>**

क. **हितधारक प्रबंधन**: आंतरिक बोर्डों, सरकार के मंत्रालयों और उद्योग भागीदारों की विविध जरूरतों के बीच संतुलन स्थापित करने की क्षमता।

ख. **ईमानदारी और साहस**: अटूट ईमानदारी; स्पष्ट रूप से यह बताने की क्षमता कि क्या संभव है और क्या नहीं।

ग. **वाणिज्यिक कौशल**: आईटी लागत निर्धारण, विक्रेताओं के साथ समझौता-वार्ता और मूल्यपरक सेवा डिलीवरी की गहरी समझ।

घ. **सहकारी प्रभाव**: बिना किसी प्रत्यक्ष प्राधिकार के संगठनात्मक विभागों में आम सहमति बनाने में कुशल।

ङ. **संचार**: गैर-तकनीकी व्यक्तियों को तकनीकी मुद्दों के बारे में समझाने और उनकी बात समझने की उत्कृष्ट क्षमता।

च. **अभिशासन अभिमुखीकरण**: सार्वजनिक क्षेत्र पर ध्यान केन्द्रित करना और व्यवस्थित प्रक्रियाओं के लिए प्रतिबद्धता के साथ-साथ जोखिम का ध्यान रखते हूए फैसले लेना।

3. **पारिश्रमिक (प्रफेशनल फीस)**: 40 से 60 लाख रुपए प्रति वर्ष।